वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

(पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय,भारत सरकार की एक स्वायत निकाय)

रांची - गुमला राष्ट्रीय राजमार्ग - 23, रांची (झारखण्ड) – 835303

प्रदर्शन ग्राम कुटाम में केचुआ खाद बेड वितरण

दिनांक : 12.01.2022

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के शासनादेश में वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा दिनांक 12.01.2022 को प्रदर्शन ग्राम कुटाम में केचुआ खाद बेड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे कोविड-19 के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए लगभग 30 किसानों ने भाग लिया।

किसानों के बीच 8 केचुआ खाद बेड का वितरण निम्नलिखित किसानों को किया गया –

1. बंधना डोडराय
2. हेरन पूर्ति
3. जीतन डोडराय
4. गोविन्द डोडराय
5. रायलेन सोए
6. मासी पूर्ति
7. मार्टिन कोंशारी
8. डेविड डोडराय्।

केचुआ खाद बेड वितरण के पश्चात श्री सुभाष चंद्र सोनकर, वैज्ञानिक द्वारा केचुआ खाद निर्माण के तरीकों को बताया गया। संस्थान के पूरे दल के द्वारा उपर्युक्त 8 किसानों का भौतिक सर्वेक्षण में पाया गया कि सभी ने सामग्री तैयार कर रखी है। केचुआ खाद की कम मात्रा में उपलब्धता के कारण श्री हेरन पूर्ति, जीतन डोडराय एवं मासी पूर्ति के वर्मी बेड को सामग्री से भरकर केचुआ डाला गया। पाहन ने संस्थान के इस कर्यक्रम के लिउए आभार व्यक्त किया।

श्री बी.डी.पंडित ने निदेशक महोदय के संदेश को ग्रामीणों के साथ साझा करते हुए कहा कि समय पर गुनवत्तापूर्ण केचुआ खाद तैयार करने वाले को संस्थान प्रोत्साहित करते हुए प्रशस्तिपत्र देगी। श्री पंडित ने बताया कि केचुआ खाद निर्माण के पश्चात उसे बाजार में बेच सकते हैं या खुद उपयोग कर सकते है। अतिरिक्त उत्पादन होने पर संस्थान खरीदने का प्रयास करेगी। श्री सुभाष चंद्र सोनकर ने केचुआ निर्माण के विभिन्न विधियों को बताते हुए इसे नम रखने की सलाह दी तथा इससे पाये जाने वाले पोषक तत्वों को बताया। श्री एस.एन.वैद्य ने समय पर खाद बनाने वाले सामग्री एकत्र करने के लिए ग्रामीणों को धन्यवाद दिया तथा केचुआ खाद के लाभ भी बताया। धरती को उर्वर रखने के लिए रासायनिक खाद त्यागने एवं केचुआ खाद अपनाने की सलाह दी। श्री निसार आलम ने वर्त्मान परिपेक्ष में केचुआ खाद के महत्व को बताया। श्री सूरज कुमार ने केचुआ खाद की बिक्री, भंडारण से अवगत कराया। पाहन, जीतू डोडराय, प्रेरक दीदी हेमंती ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया एवं संस्थान के कार्यक्रमों में भरपूर सहयोग देने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम की सफलता में विस्तार प्रभाग के श्री एस.ए.वैद्य, श्री बी.डी.पंडित, श्री सूरज कुमार, वन-वर्धन के श्री सुभाष चंद्र सोनकर एवं सूचना तकनीक के श्री निसार आलम ने अपना सहयोग दिया।

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां